Title: Regarding privilege notice given by shri Rattan Lal Kataria, Kishan Singh Sangwan and Smt. Sudha Yadav against the Additional Suprerintendent of Police, Faridabad and the Joint Secretary, Faridabad Municipal Corporation for allgedly directing the police officers to assult them on 15th March, 2003 in a rally in Faridabad, Haryana.

श्री रतन लाल कटारिया (अम्बाला) : अध्यक्ष महोदय, मैंने अपनी ओर से, सांसद रामचन्द्र बैंदा की ओर से, सांसद किशन सिंह सांगवान जी की ओर से, डा. सुधा यादव जी की ओर से जिला फरीदाबाद में तैनात कुछ अधिकारियों के विरुद्ध विशेाधिकार हनन का एक नोटिस आपके सामने रखा है। 15 मार्च, 2003 को भारतीय जनता पार्टी के सांसदों, विधायकों एवं पदाधिकारियों की एक बैठक फरीदाबाद में चल रही थी। इतने में ही शहर के कुछ प्रतिठित लोग हमारे पास आए और उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के एक सैक्टर में 5000 मकानों को गिरा दिया गया है, आप जाकर मौके पर देखें। हम वहां मौके पर देखने के लिए गए। â€¦ (व्यवधान)

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा (सिरसा) : अध्यक्ष महोदय, सदन को गुमराह किया जा रहा है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : वे प्रिविलेज नोटिस पर बोल रहे हैं।

श्री रतन लाल कटारिया : हम मौके पर इसलिए देखने गए ताकि सारी घटना को मुख्य मंत्री जी को या केन्द्रीय नेतृत्व के ध्यान में लाया जाए, लेकिन इतने में ही फरीदाबाद के पुलिस अधीक्षक कविराज उप मंडल अधीक्षक जितेन्द्र भैया, फरीदाबाद डैवलपमैंट की संयुक्त सचिव श्रीमती अनीता यादव के नेतृत्व में सैकड़ों पुलिस कर्मचारी आए और उन्होंने सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों पर लाठियों से हमला कर दिया। मैंने पुलिस अधीक्षक को बताया कि हम जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं और यह हमारा विशेाधिकार है कि हम सारी चीजों की जानकारी प्राप्त करके मुख्य मंत्री जी के ध्यान में लाएं या केन्द्र के ध्यान में लाएं। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से प्रकृति ने भुज को तबाह कर दिया था, उसी प्रकार पुलिस अधिकारियों ने फरीदाबाद के सैक्टर 29 में 5000 मकानों को गिराकर वहां ऐसी स्थिति बना दी थी जैसे भुज में प्रकृति ने बनाई थी। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। प्रिविलेज नोटिस है, मुझे सुनना तो पड़ेगा।

...(व्यवधान)

श्री रतन लाल कटारिया : इसलिए भारतीय जनता पार्टी के सांसदों पर जिस प्रकार का हमला हुआ है, उसके लिए हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस सारे मामले की जांच करवाकर दोाियों के विरुद्ध कार्रवाई कराएं। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से घटना के समय पुलिस द्वारा मुझ पर तथा मेरी पार्टी के विधायको, सांसदों, पदाधिकारी पर कातिलाना हमला किया गया और जो प्रदर्शनकारी थे उन पर लाठीचार्ज किया गया। मुझे चोटें आईं। इस कारण मुझे तीन दिन तक राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। मेरी पार्टी के विधायकों और सांसदों को भी काफी चोटें आईं। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि दोाी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

श्री किशन सिंह सांगवान (सोनीपत) : अध्यक्ष महोदय, मैं भी अपने आप को माननीय सदस्य, श्री रतन लाल कटारिया, से सम्बद्ध करता हूं।

MR. SPEAKER: Your names will be associated with him.

I have received notices of question of privilege dated 25th April, 2003 jointly signed by S/Shri Rattan Lal Kataria, Ramchander Bainda, Kisshan Singh Sagwan, Dr. Sudha Yadav, MPs, against the Additional Superintendent of Police, Sub-divisional officer, Faridabad and Joint Secretary Faridabad Municipal Corporation, for having allegedly directed the police officers to assault them on 15th March, 2003.

I have already called for a factual note in the matter from the Ministry of Home Affairs. I will take a decision in the matter after I receive the information from the Home Minister of the Union Government.

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी अपनी बात कहने की अनुमति प्रदान की जाए।

अध्यक्ष महोदय : इन्दौरा जी, जब राज्य सरकार से सूचना प्राप्त हो जाएगी, तब मैं आपको भी अपनी बात कहने का अवसर दूंगा। आप अपने स्थान पर जाकर बैठिए।

श्री अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य, सदन को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

श्री रतन लाल कटारिया : अध्यक्ष महोदय, वैसे हमें अपनी सारी रिपोर्ट माननीय मुख्य मंत्री जी को ही देनी थी, लेकिन ये पुलिस अधिकारियों का बचाव कर रहे हैं। इसलिए हमें मजबूर होकर यह विाय सदन में लाना पड़ा। â€¦ (व्यवधान)

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हमें थोड़ा समय दीजिए। हम आपको हकीकत बताना चाहते हैं।

श्री अजय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने और इनकी पार्टी के लोगों ने एस.पी. को गर्दन से पकड़कर सड़क पर घसीटा और पुलिस अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : चौटाला जी, मैंने आपसे कहा कि जब इन्फर्मेशन आ जाएगी, तो मैं आपको अपनी बात कहने का अवसर दूंगा।

डॉ. सुशील कुमार इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, हमें सिर्फ एक मिनट का समय दीजिए। मैं अपनी बात कहना चाहता हूं। ये लोग राजनीतिक फायदा उठाने के लिए एक महीने पहले हुई घटना को आज सदन में उठाकर प्रोपैगंडा करना चाहते हैं। यदि ये ऐसा करेंगे, तो क्या हमें अपनी बात कहने का अधिकार नहीं मिलेगा।

39. **hrs.**